राजनीतिक व्यवस्था विश्लेषण उपागम

'राजनीतिक व्यवस्था' क्या है? हमें सर्वप्रथम 'व्यवस्था' शब्द अर्थ समझना चाहिए। यह शब्द भौतिक विज्ञानों के अंतर्गत "व्यवस्था का अर्थ सुपरिभाषित अंतर्क्रियाओं के समूह से है जिसकी सीमाएं निश्चित की जा सके।" शाब्दिक परिभाषा के अनुसार 'व्यवस्था' का अर्थ है — "जटिल सम्बन्धित वस्तुओं का समग्र समूह, विधि संगठन, पद्धति के निश्चित सिद्धांत तथा वर्गीकरण का सिद्धांत।"

डेविड ईस्टन ने वर्ष 1953 में प्रकाशित - "The Political System- A Inquiry into the state of Political Science" में राजनीति विज्ञान में व्यवस्था सिद्धांत निर्माण का विचार प्रस्तुत किया।

डेविड ईस्टन ने राजनीतिक 'व्यवस्था का विश्लेषण करते हुए, इसे 'मूल्यों के अधिकारिक आवंटन' के रूप में व्यक्त किया।

डेविड ईस्टन के अनुसार 'राजनीतिक व्यवस्था' का विश्लेषण 'आगत एवं निर्गत' के माध्यम से किया।

डेविड ईस्टन के राजनीतिक व्यवस्था के विश्लेषण में अत्यधिक गति पाई जाती है और व्यवस्था सदैव चलती रहती है। इसे ईस्टन ने पुनर्निवेशन के माध्यम से गतिशीलता प्रदान की।

आगत :-

ईस्टन के अनुसार, 'समाज या पर्यावरण से आने वाली मांग एवं समर्थन आगत है।' उनके अनुसार, मांग के निम्नलिखित प्रकार होते हैं :-

1) सेवाओं एवं वस्तुओं के वितरण की मांग।
2) व्यक्तियों के व्यवहारों के नियंत्रण की मांग।

Scanned with CamScanner

3) राजनीतिक व्यवस्था मे सहभागिता की माँग !
4) संचार एवं सूचना की माँग !

• समर्थन के निम्नलिखित प्रकार होते है!
1) भौतिक समर्थन!
2) विधि की आज्ञापालन द्वारा समर्थन !
3) राजनीतिक क्रियाओ मे सहभागिता द्वारा समर्थन !
4) सांकेतिक रूप मे समर्थन !

• निर्गत :-
निर्गत का अभिप्राय 'राजनीतिक व्यवस्था के निर्णयो एवं क्रियाओ से है !'
पुनर्निवेश - पुनर्निवेश के निम्नलिखित कार्य होते है :-

1) राजनीतिक व्यवस्था द्वारा पर्यावरण से राजनीतिक सूचना प्राप्त की जाती है !
2) जिनके माध्यम से राजनीतिक व्यवस्था अपने कार्यों के लिए समर्थन प्राप्त करती है !
3) व्यवस्था के प्रति संभावित खतरो को भी टाल देती है !
4) पुनर्निवेश के माध्यम से राजनीतिक व्यवस्था, भविष्य की मांगो को भी प्राप्त करती है !

• गेट कीपिंग (नियंत्रण व्यवस्था)

• डेविड ईस्टन ने राजनीतिक व्यवस्था को अतिभार से बचाने के लिए 'गेट कीपिंग' की व्यवस्था दी है !
• डेविड ईस्टन ने राजनीतिक व्यवस्था को अतिभार से बचाए रखने के लिए निम्नलिखित उपायो का वर्णन किया :-

Scanned with CamScanner

1. राजनीतिक व्यवस्था जो अनियंत्रित और बेरोकटोक माँगे प्रवेश न कर सके।
2. राजनीतिक व्यवस्था द्वारा कुछ ऐसे सांस्कृतिक एवं सामाजिक मानकों का निर्माण किया जाता है, जिससे प्रतिकूल माँगों को अस्वीकृत कर दिया जाता है।

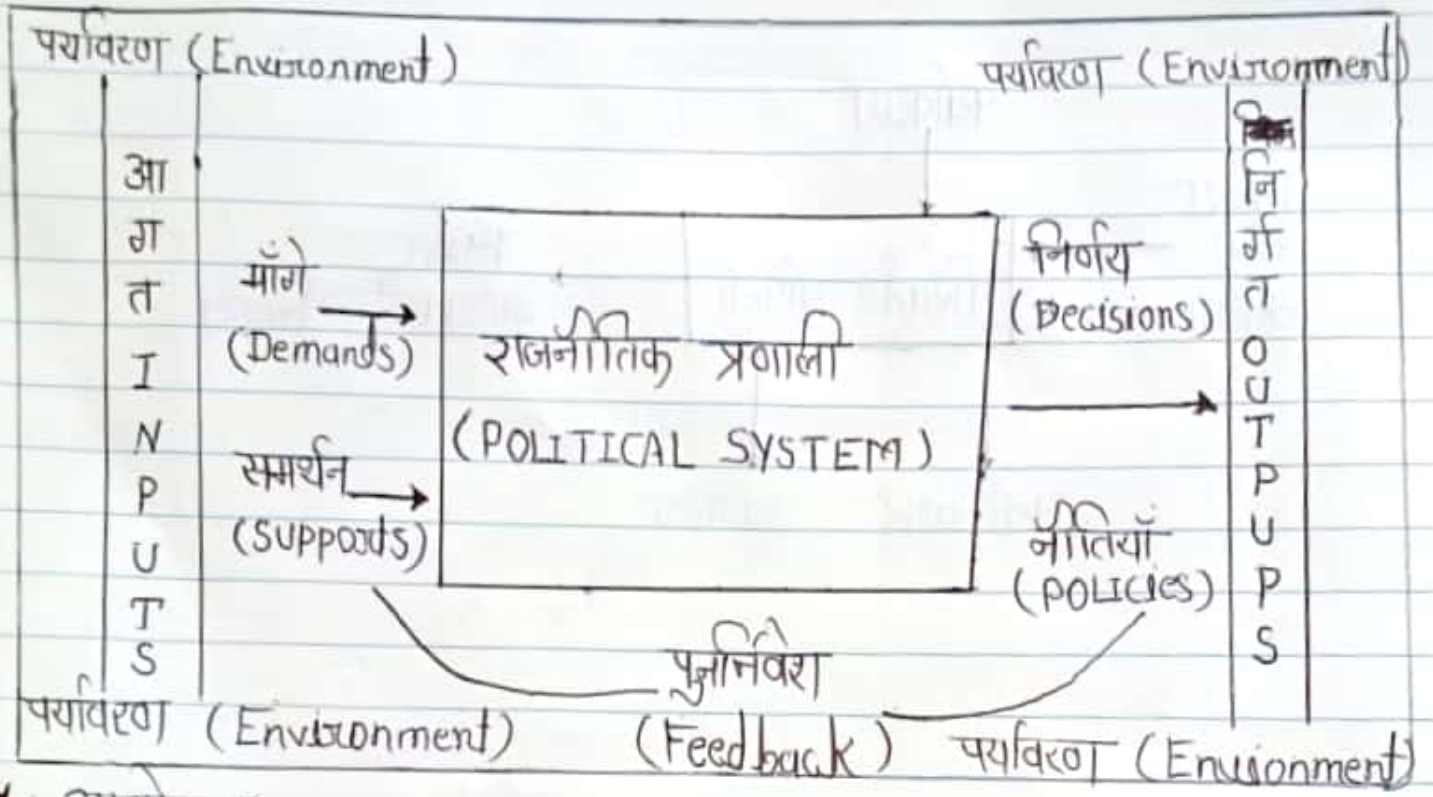

★ आलोचना :-

- आलोचकों के अनुसार, ईस्टन ने अपने अध्ययन में यथास्थितिवाद पर बल प्रदान किया। इनका यह मॉडल विकासशील देशों और साम्यवादी देशों में प्रभावी रूप से लागू नहीं किया जा सका।
- ईस्टन ने अपने अध्ययन में शक्ति के अध्ययन की उपेक्षा की।
- ईस्टन परिवेश की बात करते है। लेकिन परिवेश क्या है? परिभाषित नहीं किया।
- ईस्टन द्वारा प्रस्तुत राजनीति विज्ञान की परिभाषा, 'राजनीति विज्ञान, मूल्यों का आधिकारिक आवंटन है।' अपूर्ण है। क्योंकि राजनीतिक व्यवस्था और अन्य व्यवस्थाओं द्वारा आवंटित मूल्यों में उन्होंने स्पष्ट रूप से भेद नहीं किया।

Scanned with CamScanner